‘राजभाषा कार्यान्वयन में वैज्ञानिकों की भूमिका’ पर
क्षेत्रीय ऑनलाइन हिन्दी कार्यशाला

राजभाषा कार्यान्वयन में वैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर 4 अक्तूबर 2021 को संस्थान के मुख्यालय, कोचिन और तीनों अनुसंधान केन्द्र यानि विशाखपट्टणम, वेरावल और मुंबई के वैज्ञानिकों के लिए एक ऑनलाइन हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। इस क्षेत्रीय हिन्दी कार्यशाला में कुल 25 वैज्ञानिक सहभागिता अपने अपने स्थान से किए और इसकी संकाय सहायता श्रीमती गार्गी गाडगिल, हिन्दी प्राध्यापक, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा प्रदान की गई। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन में वैज्ञानिकों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है और सहभागियों को अपने वैज्ञानिक कार्य में हिन्दी प्रयोग के प्रयास करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में कंठस्थ के मध्यम से कैसे प्रयोग किया जा सकता है इसकी जानकारी भी सहभागियों को दी गई।

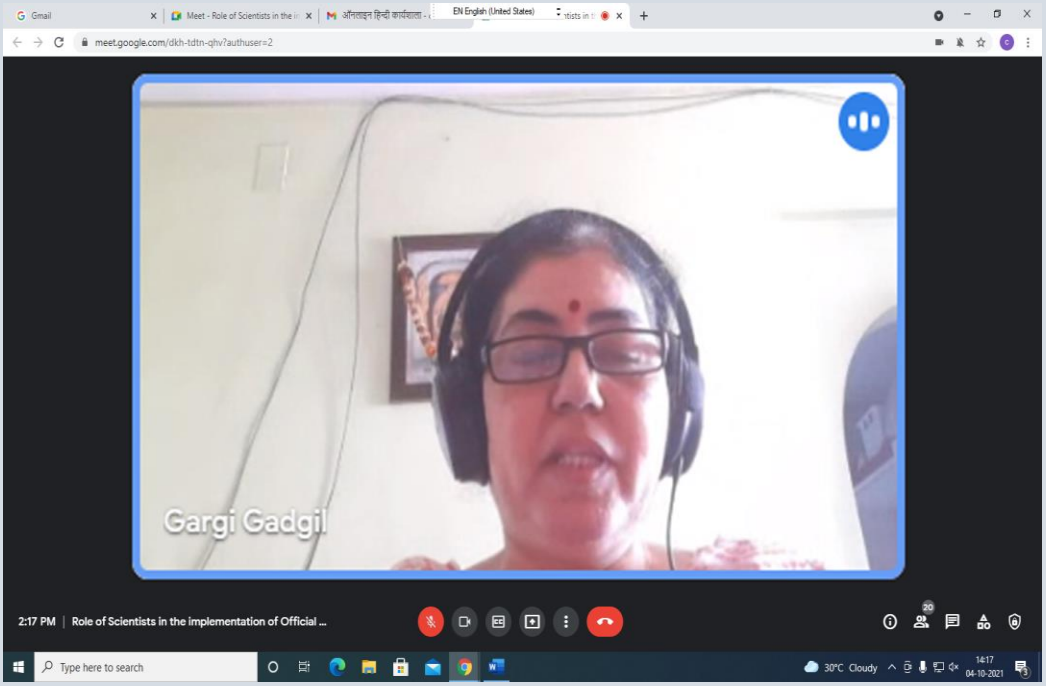

माननीय निदेशक महोदय की अध्यक्षता में संपन्न इस क्षेत्रीय हिन्दी कार्यशाला में सभी का स्वागत करते हुए डॉ.जे.रेणुका, उपनिदेशक (राजभाषा) ने रेखांकित किया कि विज्ञान एवं राजभाषा का एक सुदृढ मंच प्रदान करने से राजभाषा का नवीनतम रूप पल्लवित होगा।

डॉ.संतोष अलेक्स, सहा मुख्य तका अधिकारी, ने विशेष अनुरोध करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा मात्स्यिकी वैज्ञानिक शब्दावली की तैयारी की जा रही है।

डॉ.पी.शंकर, सहा मुख्य तका अधिकारी ने निदेशक महोदय, डॉ.रविशंकर सी.एन. का विशेष आभार व्यक्त किया, जिनके सफल मार्गदर्शन में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। तद्उपरांत श्रीमती गार्गी गाडगिल, कार्यशाल के संकाय का मुम्बई से जुड़ने पर और आयोजन के सफलता के लिए सभी सहभागियों का आभार व्यक्त के साथ इस कार्यशाल का समापन हुआ।